Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. I& II Semester)

History

Curriculum

(2023-2024)

Bachelor of Arts - B.A. History Semester I&II

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

एकलव्य विश्वविद्यालय सीखने के माध्यम से जीवन और समाज के उन्नयन हेतु संकल्पित है।

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा आदर्श जीवन, आजीविका और उद्योग को पोषित करना।
- अनुसंधान और विषय के गूढ़ ज्ञान हेतु शिक्षा को व्यावहारिक बनाना।
- सामाजिक एवं तकनीकी कौशल के माध्यम से छात्रों को रोजगार हेतु तैयार करना।
- पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली में निहित ज्ञान की समग्र शिक्षा प्रदान कर छात्रों को उन्नत जीवन एवं रोजगार के लिए तैयार करना।
- अनुसंधान और रचनात्मक परीक्षण के माध्यम से ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।
- शिक्षा; अनुसंधान और नवाचारों में उत्कृष्टता एवं प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में लाना।
- छात्रों में व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा के माध्यम से समस्या समाधान कौशल, सामुदायिक नेतृत्व कौशल एवं सामूहिक सामाजिक सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्ध करना।
- समान अवसर एवं रोजगार को दृष्टि में रखकर छात्रों को आर्थिक सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली और पद्धति को समुन्नत करना।

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

- शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के द्वारा मानव जीवन को उन्नत करने हेतु समर्पित।

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

- इतिहास की शिक्षा में उत्कृष्टता एवं विविधता में वृद्धि करना।
- इतिहास के प्राचीन, मध्यकालीन और अन्य ज्ञान स्रोतों को सभी के लिए सुलभ कराना।
- इतिहास को समयानुकूलन के साथ प्रासंगिक बनाना।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- छात्रों को भारत और विश्व के अतीत और वर्तमान से परिचित कराना।
- एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के माध्यम से भारतीय समाज, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक क्षेत्र और संस्कृति की एक महत्वपूर्ण समझ प्रदान करें।
- छात्रों को करियर की एक श्रृंखला के लिए तैयार करना।
- छात्रों में बौद्धिक जिज्ञासा और शोध की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना।

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

- यह समझाने की क्षमता कि महत्वपूर्ण घटनाएँ कैसे और क्यों घटित हुईं।
- अध्ययन की ऐतिहासिक पद्धति की समझ।
- ऐतिहासिक स्रोतों से एकत्रित साक्ष्य की स्पष्ट समझ।
- भारत के इतिहास और 20वीं सदी के आधुनिक विश्व का ज्ञान।
- कई संस्कृतियों और विविधता के साथ सूचित परिचितता।
- उन कौशलों को समझें जिनका उपयोग इतिहासकार अनुसंधान में करते हैं।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

बी.ए. पूरा होने पर, इतिहास कार्यक्रम, स्नातक करने में सक्षम होंगे

- इतिहास के अर्थ और दायरे और अन्य विषयों के साथ इसके संबंध को समझने के लिए।
- छात्रों को इसके विभिन्न चरणों जैसे– पाषाण युग, हड़प्पा सभ्यता, मौर्य, गुप्त, बाद में गुप्त और प्रारंभिक मध्यकालीन चरण के तहत राज्य–गठन प्रक्रिया के अनुसार भारत के इतिहास से परिचित कराया जाएगा।
- छात्र पश्चिमी दुनिया और इसकी मुख्य घटनाओं और उनके महत्व को समझेंगे।
- इतिहास का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना।
- छात्रों को मध्ययुगीन भारत के इतिहास के साथ–साथ इसके विभिन्न राजवंशों और समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति आदि पर उनके प्रभाव को जानने में मदद करेगा।
- छात्रों को यूरोप के इतिहास और मध्यकालीन से आधुनिक युग में इसके संक्रमण के बारे में जानने में मदद करेगा।
- छात्रों को भारत में अंग्रेजों के आगमन और उनके विस्तार, समेकन और 1857 की पृष्ठभूमि के बारे में जानने में मदद करेगा।
- छात्रों को स्वतंत्रता के पहले युद्ध, स्वतंत्रता संग्राम और औपनिवेशिक काल में विभिन्न आंदोलनों और भारत के विभाजन की प्रक्रिया को समझने में मदद करेगा।

Course code 23A1HIST1T	Idea of Bharat (Paper –1)/Major/Minor आइडिया ऑफ भारत (प्रश्न पत्र – 1)/मेजर/माईनर	L	T	P	C
		6	0	0	06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours Semester – I	60			

Level - 05

Course Objectives: (CO)

1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. प्राचीन भारत के लोगों के आदिम जीवन का परिचय कराना।
3. सांस्कृतिक स्थिति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. विश्व की धरोहर के रूप में घोषित ऋग्वेद सहित संपूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञान महिमा से छात्र लाभान्वित होंगे।

Course Learning Outcome: (CLO)

1. इतिहास विषय की विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. प्राचीन भारत के सामाजिक,सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
3. भारत के बदलते हुए सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेशों के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्र के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक व मनोवैज्ञानिक विकास में सहयोगी सिद्ध होगा।
2. राष्ट्रीय भावनाओं का विकास करना।
3. सामाजिक गुणों का विकास करना।
4. नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना।

Unit – 1 भारतवर्ष की अवधारणा	15

1. भारतवर्ष को समझना
2. भारत के पर्यायों की शाश्वत्ता
3. समय और अन्तरिक्ष की भारतीय अवधारणा
4. भारत की इतिहास दृष्टि
5. भारतीय साहित्य का गौरवः वेद, वेदांग, उपनिषद, महाकाव्य, जैन एवं बौद्ध साहित्य, स्मृति, पुराण आदि
6. ऋषभदेव कालीन भारत

Unit – 2 भारतीय ज्ञान परंपरा, कला एवं सस्कृति	15

1. भाषा और लिपि का विकासः ब्राह्मी, खरोष्ठि, पालि, प्राकृत, संस्कृत, तिगलिरी आदि
2. भारतीय कला एवं संस्कृति की प्रमुख विशेषतायें
3. भारतीय शिक्षा प्रणाली, जैन शिक्षा प्रणाली
4. भारतीय शौर्य की नैतिक परम्परा

Unit – 3 धर्म, दर्शन और वसुधैव कुटुम्बकम	15

1. धर्म और दर्शन की भारतीय अवधारणा
2. जैन दर्शन का विशिष्ट परिचय
3. वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धान्त : मनुष्य,परिवार, समाज और विश्व
4. राजनीति और शासन

4. राजनीति और शासन 5. जनपद और ग्राम स्वराज्य की अवधारणा	
Unit – 4 विज्ञान, पर्यावरण और चिकित्सा विज्ञान	**15**
1. प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी 2. पर्यावरण संरक्षण : भारतीय दृष्टिकोण 3. स्वास्थ्य जागरूकता (जीवन विज्ञान): आयुर्वेद, योग,जैन योग और प्राकृतिक चिकित्सा 4. भारतीय अंक प्रणाली और गणित	
Unit – 5 भारतीय आर्थिक परम्परायें	**15**
1. भारतीय आर्थिक विचार 2. भूमि, वन एवं कृषि की अवधारणा 3. उद्योग, अंतर्देशीय व्यापार और वाणिज्य 4. समुद्री व्यापार	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः भारत, भाषा, कला, संस्कृति, विज्ञान तथा अर्थ।		
# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text Book(s) / Reference Books		

1. Basham A.L.: The Wonder that was India, Rupa, Delhi 1994
2. Altekar A.S.: Education in Ancient India, Nand Kishore & Bros, Varanasi 1944
3. Balbir Singh Sihag: kautilya: The true founder of Economics, Vitasta publishing pvt. Ltd Delhi, 2014
4. Dharampal: The Beautiful Tree, Other India press , Delhi 1995
5. Elliott Faith Robertson: Gender Family and society, St. Martin press, New York , 1996
6. Arrhenius G: Evolution for space
7. Mookerji Radha Kumud: Indian shipping, pub. South Asia Books, 1999
8. Thomas Maurice: Indian Antiquities, pub. T. Maurice, 1806, London
9. Will Durant: The Story of civilization, five communications, U.S. Jan. 1993
10. Zekuthial Ginshurtg: New light on our Numerais.
11. Mookherjee R.K. The Funamental Unity of India
12. पोखरियाल (निशंक) रमेश : भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं परम्परा, डायमंड पब्लिकेशन, नई दिल्ली
13. टंडन किरन : भारतीय संस्कृति, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली
14. ज्ञानी शिवदत्तः भारतीय संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. मिश्र विद्या निवास : भारतीय संस्कृति के आधार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
16. सिंघानिया नितिनः भारतीय कला एवं संस्कृति, मेग्राहिल्स नई दिल्ली
17. दिनकर रामधारीसिंह : संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. कृष्ण कुमार : प्राचीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास, श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली

19.मिश्र जयशंकर : प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना
20.लूणिया बी.एन. : प्राचीन भारतीय संस्कृति, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
21.आदिपुराण में प्रतिपादित भारत डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री वर्णी शोध संस्थान नरिया बनारस
22.भारतनामा, डॉ.प्रभाकिरण जैन
23.गुप्त शिव कुमार : प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ट प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण अधिकतम अकः 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 60

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट/ क्विज/ सेमीनार /प्रस्तुतीकरण/ (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंकः 40	
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60	
कोई टिप्पणी/सुझाव :			

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

Course code	Praceene Bharat kaa Itihas Paper-II/Major/Minor	L	T	P	C
23A1HIST2T	प्राचीन भारत का इतिहास (प्रारंभ से 1205 ई.) (प्रश्न पत्र 2) / मेजर / माईनर	6	0	0	06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – II

Level - 05

Course Objectives: (CO)

- विषय की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में इतिहास के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक होगा।
- भारतीय संस्कृति के अवबोध एवं महापुरूषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना।
- प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान होगा।

Course Learning Outcome: (CLO)

- विद्यार्थी, प्रागैतिहासिक युग, आद्यैतिहासिक युग और ऐतिहासिक युग में मानव के क्रमिक विकास के विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगें।
- प्राचीन सभ्यताओं जैसे सिन्धु–सरस्वती, वैदिक सभ्यता और उत्तर वैदिक सभ्यता आदि के विषय में गहन जानकारी प्राप्त कर पायेंगे
- विश्व की अन्य समकालीन सभ्यताओं के साथ उनकी तुलना कर पायेंगे।
- इतिहास दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- मौर्य काल और गुप्त काल में भारत के स्वर्णिम अतीत, उनकी दिग्विजय, कला, वास्तुकला एवं साहित्य आदि को विस्तार से समझ पायेंगे।
- विद्यार्थी इतिहास लेखन के विकास से अवगत होंगे।
- प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सामाजिक इतिहास की चर्चा।

Unit – 1 प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक काल — **15**

1. इतिहास–अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व।
2. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत।
3. भारत की भौगोलिक स्थिति।
4. पाषाण काल– पुरा पाषाण, मध्य पाषाण, नव पाषाण एवं ताम्राश्म संस्कृतियाँ।
5. सिन्धु / सरस्वती सभ्यता – उद्भव, विस्तार एवं पतन।
6. आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक जीवन।
7. नगर निर्माण योजना एवं विभिन्न कलायें।
8. हडप्पा सभ्यता के नवीन केन्द्र।
9. वैदिक संस्कृति – ऋगवैदिक एवं उत्तर वैदिक काल – राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन।

Unit – 2 मौर्य एवं मौर्योत्तर काल — **15**

1. 6 वीं सदी ई.पू. में महाजनपद एवं गणराज्य।
2. जैन राजाओं का परिचय
3. उत्तरी भारत में धार्मिक क्रान्ति–जैन एवं बौद्ध धर्म।
4. मगध का उत्कर्ष।
5. सिकन्दर का आक्रमण एवं उसका प्रभाव।
6. मौर्य राजवंश की स्थापना – चन्द्रगुप्त मौर्य एवं उसका प्रशासन

7. अशोक और उसका धम्म, मौर्य संस्कृति एवं स्थापत्य, मौर्य साम्राज्य का पतन। 8. शुंग वंश–पुष्यमित्र शुंग एवं उसकी उपलब्धियाँ। 9. सातवाहन वंश – गौतमीपुत्र शातकर्णी एवं उसकी उपलब्धियाँ। 10.शक–क्षत्रपों का काल। 11.कुषाण वंश – कनिष्क एवं उसकी उपलब्धियाँ। 12.गांधार एवं मथुरा कला।	
Unit – 3 ` गुप्त काल एवं हर्षवर्धन	**15**
1. गुप्त राजवंश की स्थापना– चन्द्रगुप्त प्रथम 2. समुद्रगुप्त 3. चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) 4. कुमारगुप्त एवं स्कंदगुप्त और उनकी उपलब्धियाँ 5. गुप्त संस्कृति 6. गुप्तकालः स्वर्णयुग 7. गुप्त– वाकाटक सम्बन्ध शकारी विक्रमादित्य एवं उनकी सांस्कृतिक उपलब्धियां 8. गुप्त साम्राज्य का पतन 9. हूण आक्रमण और उसका प्रभाव 10.पुष्यभूति राजवंश – हर्षवर्धन–सैनिक अभियान, प्रशासन एवं धार्मिक उपलब्धियाँ	
Unit – 4 उत्तरी भारत के पूर्वमध्यकालीन राजवंश	**15**
1. राजपूतों की उत्पत्ति : विभिन्न सिद्धांत 2. प्रमुख राजपूत राजवंशः गुर्जर प्रतिहार राजवंश, चन्देल राजवंश, परमार राजवंश एवं कलचुरि राजवंश– इतिहास, संस्कृति एवं स्थापत्य 3. भोज एवं उनकी सांस्कृतिक उपलब्धिया	
Unit – 5 दक्षिण भारतीय राजवंश एवं भारत पर विदेशी आक्रमण	**15**
1. दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश : पल्लव राजवंश, चालुक्य राजवंश, राष्ट्रकूट राजवंश एवं चोल राजवंश – इतिहास, संस्कृति एवं स्थापत्य 2. बृहत्तर भारत : दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय संस्कृति का विस्तार 3. भारत पर अरब आक्रमण एवं उसके प्रभाव – मोहम्मद बिन कासिम 4. भारत पर तुर्क आक्रमण एवं उनका प्रभाव – महमूद गजनवी एवं मोहम्मद गौरी ।	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य, मौर्य, गुप्त, राजपूत।		
# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. Majumdar, R.C.: The History and Culture of Indian People Vol. I, Vedic Age, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
2. Majumdar, R.C. The History and Culture of Indian People Vol. II, The Age of Imperial Unity, Bhartiya Vidya, Bhavan, Bombay, 1954
3. Majumdar, R.C.: The History and Culture of Indian People, Vol. III : The Classical Age, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
4. Majumdar R.C.: The History of Indian People, Vol. The Age Imperial Kanauj, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
5. Majumdar R.C.: The History of Indian People, Vol. V, The Struggle for Empire Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
6. Jayaswal, Vidula: Bhartiya Itihas ke Adi Charna ki Roopreka, Delhi, 1987
7. Pandey, Rajbali: Prachin Bharat, Vishwavidyalya prakashan, Varanasi, 2010.
8. Raychaudhary, H.C.: Political History of Ancient Indian, 1996. Also, in Hindi.
9. Sankalia, H.D: Prehistory and Prohistory of India and Pakistan, Poona 1974
10. Sastri, K.A. Nilakanta: A History of south India, from Prehistoric Times to the fall of Vijaynagar, Oxford University Press, 1955; Also, in Hindi.
11. Singh, Kripa Shankar : Rigveda, Harrappa Sabhyata and Sanskritic Nirantarta, Kitab Ghar publication, New Delhi, 2007
12. Singh, Upinder: A history of Ancient and Early Medieval India, 2008, Pearson India, New Delhi Also, in Hindi.
13. Thapar, Romilla: Early India from the Beginnings to 1300, London, 2002.
14. Tripathi R.S.: History of Ancient India, Motilal Banarasidas, Delhi. Also in Hindi
15. श्रीवास्तव के.सी. : प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, यूनाइटेड डिपो, इलाहाबाद
16. नाहर रतिभानूसिंह : प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, किताबघर, ग्वालियर
17. श्रीवास्तक बी.के. : प्राचीन भारत का इतिहास, साहित्य भवन (संजय), आगरा
18. गुप्त शिवकुमार : प्राचीन भारत का इतिहास, पंचशील प्रकाशन, आगरा
19. पान्डेय श्रीनेत्र : प्राचीन भारत का राज. एवं सां. इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. पान्डेय विमल चन्द्र : प्राचीन भारत का राज. एवं सां. इतिहास, सेन्ट्रल पब्लिकेशन, नई दिल्ली
21. राज पुरोहित भगवती लालः राजा भोज और शकारी विक्रमादित्य, स्वराज संस्थान, भोपाल

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक 40
	असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण	
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव		